परमात्म प्राप्तियों की माला

1. स्वयं प्राप्तियों का सागर परमपिता मिल गया।
2. भाग्यविधाता ही अपना हो गया। हमारे भाग्य का निर्माण स्वयं उसने किया।
3. सर्वशक्तिमान सर्वशक्तियों सहित हमारा हो गया।
4. ज्ञान के सागर ने सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान दे दिया।
5. नया ब्राह्मण जन्म देकर जीवन जीने की कला सिखा दी।
6. जीवन खुशियों से भर दिया। मुस्कुराना सिखा दिया।
7. बेहद का ब्राह्मण परिवार मिल गया।
8. स्वराज्य अधिकारी, कर्मेन्द्रियजीत बनने की विधि बता दी।
9. पुरानी जड़जड़ीभूत दुनिया से बेहद का वैराग्य दिला दिया।
10. भविष्य नई दुनिया में ऊंच पद पाने का साक्षात्कार करा दिया।
11. स्वयं परमात्मा बाप बनकर हमारी पालना कर रहा है।
12. टीचर बनकर रमणीक व रोचक तरीके से पढ़ाई पढ़ा रहा है।
13. सतगुरु बनकर वरदानों से भरपूर कर रहा है।
14. हर परिस्थिति में एकरस स्थिति बनाना सिखा दिया।
15. ड्रामा की नॉलेज देकर अकल्याण में भी कल्याण दिखा दिया।
16. स्वयं भगवान ने हमारे अंदर विश्व बन्धुत्व की भावना कूट-कूटकर भर दी।
17. दैवी गुणों से श्रृंगार कर ब्युटीफुल बना दिया।
18. देह में रहते विदेही रहना सिखा दिया।
19. निरन्तर योगी बनाने की अनेक विधियां बता दी।
20. परमात्मा मेरा सर्व सम्बन्धी बन गया।
21. उसकी इतनी कृपा हुई कि हर समय साथ रहने लग गया।
22. मन, बुद्धि को हल्का बना दिया।
23. उसमें मेरी सारी चिन्ताएं लेकर सर्व चिन्ताओं से मुक्त बना दिया।
24. अविनाशी परमात्म खजानों से संपन्न बना दिया।
25. वाह मेरे बाबा वाह तुमने मुझे कौड़ी से हीरा बना दिया।
26. पवित्रता की शक्ति से पुजारी से पूजनीय बना दिया।
27. विकारों में जलती हुई आत्मा को शीतल बना दिया।
28. अनेक प्रकार के दु:खदायी, विकर्मी बन्धनों से छुड़ा दिया।
29. दूसरों की विशेषताओं को देखने के लिए ज्ञान का तीसरा नेत्र दे दिया।
30. हर परिस्थिति में अचल, अडोल, एकरस, साक्षीद्रष्टा रहना सिखा दिया।